Literacy for a Billion

Movie: Devdas
Year: 2002

Song: Silsila Yeh Chahat Ka
Lyricist: Nusrat Badr

दूम त दूम ...

मौसम ने ली अँगड़ाई
आई आई
लहराके बरखा फिर छाई
छाई छाई
झौंका हवा का आएगा
और ये दिया बुझ जाएगा

सिलसिला ये चाहत का
ना मैंने बुझने दिया
हो ... हूँ ...
सिलसिला ये चाहत का
ना मैंने बुझने दिया
ओ पिया ये दिया
ना बुझा है ना बुझेगा
मेरी चाहत का दिया
मेरे पिया
अब आ जा रे मेरे पिया
हो मेरे पिया
अब आ जा रे मेरे पिया

इस दिये संग जल रहा मेरा
रोम रोम रोम और जिया
अब आ जा रे मेरे पिया
हो मेरे पिया
अब आ जा रे मेरे पिया

दूम त दूम ...

फ़ासला था दूरी थी
फ़ासला था दूरी थी
था जुदाई का आलम
इंतज़ार में नज़रें थीं
और तुम वहाँ थे
तुम वहाँ थे
तुम वहाँ थे
झिलमिलाते जगमगाते
ख़ुशियों में झूमकर
और यहाँ जल रहे थे हम
और यहाँ जल रहे थे हम

फिर से बादल गरजा है
गरज गरज के बरसा है
झूम के तूफ़ाँ आया है
पर तुझको बुझा नहीं पाया है

ओ पिया ये दिया
चाहे जितना सताये
तुझे ये सावन
ये हवा और ये बिजलियाँ

मेरे पिया
अब आ जा रे मेरे पिया
हो मेरे पिया
अब आ जा रे मेरे पिया

देखो ये पगली दीवानी
दुनिया से ये है अनजानी

झौंका हवा का आएगा
और इसका पिया संग लाएगा

ओ पिया
अब आ जा रे मेरे पिया

सिलसिला ये चाहत का
ना दिल से बुझने दिया

ओ पिया ये दिया
ए पिया पिया पिया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.